



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 439]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 4, 1992/कार्तिक 13, 1914

No. 439] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 4, 1992/KARTIKA 13, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

अल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1992।

सा का नि 849(प्र) — केन्द्र सरकार, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (i) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पारादीप पत्तन न्यासी मण्डल द्वारा बनाए गए और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में पारादीप पत्तन कर्मचारी (भर्ती, वरिष्ठता तथा पदोन्नति) तीसरा संशोधन, विनियम, 1992 का अनुमोदन करती है।

2. उक्त विनियम इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

[फा. सं. पी. मार -12012/13/90 पी.ई.-1]

अशोक मोशी, मयूक्त, सचिव

प्रधिसूचना

पारादीप पत्तन कर्मचारी (भर्ती, वरिष्ठता और पदोन्नति) तृतीय संशोधन विनियम, 1992।

मुख्य पत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 28 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए पारादीप पत्तन न्यासी बोर्ड इसके द्वारा पारादीप पत्तन कर्मचारी (भर्ती, वरिष्ठता और पदोन्नति) विनियम, 1967 का संशोधन करने के लिए कथित अधिनियम की धारा 124 का उपधारा (1) के अर्जून केन्द्रों सरकार के अनुमोदन पर निम्नलिखित विनियम बनाती है।

1. लघुशीर्ष और प्रारम्भ —

ये विनियम पारादीप पत्तन कर्मचारी (भर्ती, वरिष्ठता और पदोन्नति) तृतीय संशोधन विनियम, 1992 कहलाएंगी।

2. उक्त विनियम इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

3. पारादीप पत्तन कर्मचारी (भर्ती, वरिष्ठता और पदोन्नति) विनियम, 1967 का विनियम 10 में (इसके बाद मुद्रा विनियम के रूप में संशोधित होगा) उप विनियम (1) की व्यवस्था में पढ़ी जाने वाली।

“परिपोषाधीन कर्मचारी जिसका बोर्ड या सरकार के किसी पद पर कोई पुनः ग्रहणाधिकार नहीं है, उसे किसी भी समय बिना सूचना के सेवा से निकाला जा सकेगा” के बचने निम्नलिखित व्यवस्थाएं होंगी।

परिपोषाधीन कर्मचारी जिसका बोर्ड या सरकार के किसी पद पर कोई पुनः ग्रहणाधिकार नहीं है, उसे किसी भी समय सेवा से निकाला जा सकेगा।

परन्तु पारिशिष्ट-1 को अपने मामले को प्रस्तुत करने के लिए उचित अवसर दिया जाएगा।

परन्तु पारिशिष्ट-1 को परिषद/आयुक्त के दौरान निराले जाने के लिए ऐसे कारण लिखित रूप से अनिलेखबद्ध होंगे।

4. मुख्य विनियम का विनियम 14 के उप विनियम 3(क) एवं 3(ख) की व्यवस्था के बदले निम्नलिखित व्यवस्थाएं होंगी एवं इन्हें विनियम 14 के उप विनियम 3(क) और 3(ख) के रूप में पढ़ा जाएगा।

(3) कोई भी व्यक्ति :—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति के साथ विवाह या संविदागत विवाह किया हो जिसका/जिसकी पति/पत्नी जीवित हो या,

(ख) जिसका/जिसकी पति/पत्नी जीवित रहने हुए किसी व्यक्ति के साथ विवाह या संविदागत विवाह किया हो,

किसी भी ग्रेड या पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा जिस पर ये विनियम लागू होते हैं :

परन्तु ध्यान रखें कि संतुष्ट होता है कि विवाह के लिए ऐसे व्यक्ति और अन्य व्यक्ति के व्यक्तिगत कानून के अधीन ऐसा विवाह अनुमति योग्य है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार भी हों तो किसी भी व्यक्ति को इस विनियम के परिचालन से छूट दे सकता है।

नोट :—

(1) मुख्य विनियम अर्थात् पारादीप पोर्टन कर्मचारी (भर्ती, वरिष्ठता और पदोन्नति) विनियम, 1967 भारत के राजपत्र दि. 1 नवम्बर, 1967 जी. एस. आर. सं. 1671 में प्रकाशित किये गये।

(2) प्रथम संशोधन अर्थात् पारादीप पोर्टन कर्मचारी (भर्ती, वरिष्ठता और पदोन्नति) (संशोधन) विनियम, 1975, भारत के राजपत्र दि. 1 फरवरी, 1975 जी. एस. आर. सं. 608 में प्रकाशित किये गये।

(3) द्वितीय संशोधन अर्थात् पारादीप पोर्टन कर्मचारी (भर्ती, वरिष्ठता और पदोन्नति) (संशोधन) विनियम, 1991 भारत के राजपत्र दि. 21 जून 1991 जी. एस. आर. सं. 314 (ई) में प्रकाशित किये गये।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th November, 1992

Seniority and Promotion) Third Amendment, Regulations, 1992 made by the Board of Trustees for the Port of Paradip and set out in the Schedule annexed to this Notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[No. PR-12012/27/90-PE.I]

ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.

SCHEDULE

PARADIP PORT EMPLOYEES (RECRUITMENT, SENIORITY AND PROMOTION) 3RD AMENDMENT REGULATIONS, 1992.

In exercise of the power conferred by section 28 of the Major Ports Act, 1963 (38 of 1963), the Board of Trustees of the Port of Paradip hereby make the following regulations to amend the “Paradip Port Employees (Recruitment, Seniority and Promotion) Regulations, 1967”, subject to the approval of the Central Government under sub-section (1) of section 124 of the said Act :—

1. Short title and commencement.—These Regulations may be called ‘Paradip Port Employees (Recruitment, Seniority and Promotion) 3rd Amendment Regulations, 1992.’
2. The said regulation shall come into force on the date of Publication of Notification in the Official Gazette.

3. In the Regulation 10 of “Paradip Port Employees (Recruitment, Seniority and Promotion) Regulations, 1967” (hereinafter referred to as the Principal Regulations), the provisions of sub-regulation (1) reading “An employee on probation who has no lien on any post under the Board or Government shall be liable to be discharged from service at any time without notice” shall be substituted with the following provisions:

‘An employee on probation who has no lien on any post under the Board or Government shall be liable to be discharged from service at any time :

Provided that the probationer shall be given reasonable opportunity to put forward his case :

Provided further that such reasons for discharge of the Probationer during the probation period shall be recorded in writing.’

4. For the provisions of sub-regulation 3(a) and 3(b) of regulation 14 of Principal Regulations, the following provisions shall be substituted and the same shall be read as sub-regulations 3(a) and 3(b) of regulation 14 :

G.S.R. 849(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 124, read with sub-section (i) of section 132 of the Major Ports Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Paradip Port Employees (Recruitment,

'(3) No person' —

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any grade or post to which these regulations apply :

Provided that the Chairman may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this sub-regulation.

NOTE : (1) The Principal regulations namely Paradip Port Employees (Recruitment, Seniority and Promotion) Regulations, 1967 were published vide G.S.R. No. 1671 in the Gazette of India dated the 1st November, 1967.

NOTE : (2) The first amendment namely, Paradip Port Employees (Recruitment, Seniority and Promotion) (Amendment) Regulations, 1975 were published vide G.S.R. No. 608 in the Gazette of India dated the 1st February, 1975.

NOTE : (3) The second amendment namely, Paradip Port Employees (Recruitment, Seniority and Promotion) (Amendment) Regulations, 1991 were published vide G.S.R. No. 314 (E) in the Gazette of India dated the 21st June, 1991.

